अपभ्रंश काव्यत्रयी (फोल्डर नं. ००१८७५)

जिनदत्तसूरि

संपादक – लालचंद्र भगवानदास गांधी

मुख्य टाइटल

क्रमसूची जिनदत्तसूरिमूर्तिप्रतिकृति

भूमिका ---५-११७

जिनवल्लभसूरि -- ५-३७

जिनदत्तसूरि -- ३७-६४

जिनपालोपाध्याय -- ६५-७०

सूरप्रभोपाध्याय -- ७०-७१

अपभ्रंशभाषा --७२-११२

काव्यत्रयी परामर्श -- ११३-११७

काव्यत्रयी विषय प्रदर्शनम ---११९-१२४

काव्यत्रयी -- १-८०

चर्चरी--१-२७

उपदेशरसायनरास---२९-६६

कालस्वरुपकुलकम--- ६७-८०

परिशिष्टम-- ८१-११६

सड्धपट्टक ---८१-८६

गणधरसार्धशतकम -- ८७-१०६

सुगुरुपारतन्त्र्यम---१०७-१०९

जिनदत्तसूरिस्तुति--- ११०-११२

पाठभेद --११३

विशिष्टनामसूची -- ११३-११५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org